1) डॉ. मदनगोपाल गुप्त - मध्यकालीन हिन्दी काव्य में भारतीय संस्कृति - अध्यक्ष हिन्दी विभाग, म.स.वि., बड़ौदा (डॉ. रामधारीसिंह दिनकर-रामकथा व्यापकता और विशेषतोएँ शीर्षक लेख - तुलसीदल - वर्ष 2, अंक 6 नवम्बर - 1961.

2) डॉ. रामरतन भटनागर-तुलसीदास नवमूल्यांकन पृ. 135, स्मृति प्रकाशन इलाहाबाद. ऋग्वेद 10/8/8 (दसवें मंडल के आठवा सूत्र)

3) वही, पृ. 136

4) वही, पृ. 136

5) तुलसी आलोचनात्मक अध्ययन, पृ. 48, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ.

6) वही

7) मानस, बालकांड, 7

8) तुलसी सम्बन्धी शोधों का अनुसीलन, पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृ. 290.

9) तुलसीदास आलोचनात्मक अध्ययन, पृ. 50, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी.

10) तुलसी मानस रत्नाकर, भाग्यवती सिंह, पृ. 85

11) तुलसीदास आलोचनात्मक अध्ययन, पृ. 50 डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी.

12) हिन्दी की भक्तिकाल एवं उसके काव्य के पुनः मूल्यांकन, डॉ. अनुराधा दलाल, नटराज पब्लीशींग हाउस, हरियाणा, पृ. 158-159.

13) हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास, डॉ. प्रतापनारायण टंडन, पृ. 133, विवेक प्रकाशन.

14) तुलसीदास आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, पृ. 51.

15) वही, पृ. 48

16) हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास, डॉ. प्रतापनारायण टंडन, पृ. 133, विवेक प्रकाशन.

17) तुलसीदास, राम-कथा और गोस्वामी तुलसीदास, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, पृ. 48

18) वही, पृ. 48

19) वही, पृ. 49

20) हिन्दी की मध्यकालीन काव्यधारा और रामचरित मानस, डॉ. मदनगोपालजी गुप्त, पृ. 117

21) हिन्दी का भक्तिकाल और उसके काव्य का पुनः मूल्यांकन, डॉ. अनुराधा दलाल, पृ. 159

22) हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास, डॉ. प्रतापनारायण टंडन, पृ. 133, विवेक प्रकाशन.

23) संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री पुष्करजी शर्मा, पृ. 35, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर

24) वही, पृ. 35

25) तुलसीदास, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, पृ. 48

26) हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास, डॉ. प्रतापनारायण टंडन, पृ. 133, विवेक प्रकाशन.

27) संस्कृत साहित्य का इतिहास, पृ. 34, श्री पुष्करजी शर्मा

28) वही, पृ. 34

29) बुद्ध चरित्र, अश्व घोष, संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री पुष्करदत्तजी शर्मा, पृ. 34

30) वाल्मीकि रामायण, श्लोक नं. 10, 49वा सर्ग, उत्तरकांड, पृ. 1577, हिन्दी अनुवाद, पृ. 997

31) वाल्मीकि रामायण, श्लोक नं. 3, 66वा सर्ग, पृ. 1609

32) संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री पुष्करदत्तजी शर्मा, पृ. 35

33) वही, पृ. 33

34) वही, (रघुवंश), पृ. 58

35) वही, पृ. 58

36) वही, पृ. 59

37) वही, पृ. 59

38 संस्कृत साहित्य का इतिहास, रघुवंश कालीदास, पृ. 59

39) वही, पृ. 59

40) वही, पृ. 56

41) वही, पृ. 58

42) वही, पृ. 58

43) वही, (रावण वधम), भट्टी, पृ. 75

44) वही, पृ. 75

45) वही, पृ. 75

46) वही, (रावण वधम), भट्टी, पृ. 76

47) वही, पृ. 76

48) वही, पृ. 76

49) वही, (जानकी हरणम्) कुमारदास, पृ. 77

50) वही, पृ. 78

51) वही, पृ. 78

52) वही, पृ. 78

53) वही, पृ. 78

54) वही, पृ. 78

55) वही, पृ. 78

56) वही, पृ. 79

57) वही, पृ. 89

58) वही, पृ. 89
59) वही, पृ. 90
60) वही, पृ. 90
61) वही, (राघव पांण्डवियम) पृ. 93
62) वही, पृ. 94
63) वही, पृ. 152
64) वही, पृ. 154
65) वही, पृ. 165
66) वही, पृ. 166
67) वही, पृ. 166
68) वही, पृ. 167
69) वही, पृ. 167
70) वही, पृ. 168
71) वही, पृ. 168
72) वही, पृ. 173
73) वही, पृ. 174
74) वही, पृ. 175
75) वही, पृ. 175
76) संस्कृत साहित्य का इतिहास, पृ. 177
77) वही, पृ. 177
78) वही, पृ. 177
79) हिन्दी साहित्य, प्रथम संस्करण पृ. 306
80) हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, पृ.120
81) हिन्दी की मध्यकालीन काव्यधारा और रामचरित मानस, डॉ.हरिवंश प्रसाद शुक्ल
82) तुलसीदास - परिवेश और प्रदेय, डॉ. मदनगोपाल गुप्त

83) वही, पृ.

84) तुलसीदास, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी

85) डॉ. रामरतन भटनागर, तुलसी साहित्य की भूमिका, पृ.184

86) मानस बालपण, दोहा-36 (1-2)

87) हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास, पृ.136

88) वही, पृ.138

89) वही, पृ.139

90) वही, पृ.139

91) वही, पृ.139

92) वही, पृ.140

93) वही, पृ.141

94) वही, पृ.142

95) वही, पृ.143

96) वही, पृ.144

97) वही, पृ.145

98) वही, पृ.146

99) वही, पृ.151

100) वही, पृ.152

101) वही, पृ.153

102) वही, पृ.154

103) वही, पृ.155

104) वही, पृ.155

105) वही, पृ.156

106) वही, पृ.156

107) वही, पृ.156

108) वही, पृ.157

109) वही, पृ.158

110) वही, पृ.158

111) वही, पृ.159

112) वही, पृ.159

113) वही, पृ.160

114) वही, पृ.160

115) वही, पृ.160

116) वही, पृ.161

117) वही, पृ.161

118) वही, पृ.162

119) वही, पृ.162

120) वही, पृ.163

121) वही, पृ.165

122) वही, पृ.165

साहित्य एवं राजनीति

1) डबल्यू एस. हडसन, ऐन इंट्रोडक्शन टु ध स्टडी ओफ लिटरेचर, पृ.1

2) साहित्य सिद्धान्त और समीक्षा, डॉ. सरनामसिंह, पृ.3

3) तुलसी जनमूल्यांकन - तुलसी साधना व व्यक्तित्व, डॉ.रामरतन भटनागर, पृ.39

4) तुलसीदास - परिवेश एवं प्रदेश - मदनगोपाल गुप्ता, पृ.49

5) वही

6) वही

7) तुलसीदास परिवेश और प्रदेश, डॉ. मदनगोपाल गुप्त

8) तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन, डॉ. मदनगोपाल गुप्त, पृ.49

9) तुलसीदास और उनका युग, डॉ. राजपति दीक्षित, तुलसी की समकालीन परिस्थितियाँ पृ. 88
10) तुलसीदास - वही, पृ.88
11) तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित, पृ.89
12) वही
13) साहित्य सिद्धान्त और समीक्षा - डॉ. सरनामसिंह, पृ.3
14) रामचन्द्र जी शुक्ल
15) कबीरवाणी, भागवत स्वरूप मिश्र, पृ.38
16) वही, कबीरवाणी
17) तुलसी साहित्य मे राम राज्य की परिकल्पना, डॉ. शीलवती गुप्ता, पृ.44
18) वही, पृ.140
19) वही, पृ.140
20) जीवनी और विचारधारा, डॉ. राजाराम रस्तोगी
21) तुलसीदास जीवनी और विचारधारा, डॉ. राजाराम रस्तोगी, पृ.205
22) वही
23) राजनैतिक विचारधारा, डॉ. राजाराम रस्तोगी, पृ.205
24) वही
25) उतरं यत समुद्रस्य हिमाद्रिश्चेव दक्षिणम
वर्ष तद्भारत भारती यत्र संतातिः - विष्णुपुराण 3,
जीवनी व विचारधारा, डॉ. राजाराम रस्तोगी
26) जीवनी व विचारधारा
27) तुलसी साहित्य मे रामराज्य की कल्पना, डॉ.शीलवती गुप्ता, पृ.19

28) अथर्ववेद - 3,5,6,7 (रामराज्य की परिकल्पना) डॉ.शिलवती गुप्ता, पृ.18

29) ऋक, 1-18

30) अथर्व - 15-9, तुलसी साहित्य मे रामराज्य की परिकल्पना, डॉ. शीलवीत गुप्ता, पृ. 18

31) जायसवाल हि. पॉलिटी. पृ. 18

32) तुलसीदास जीवनी व विचारधारा - डॉ. राजाराम रस्तोगी, राजनैतिक विचारधारा

33) नाथ राम करिय हि जुवराजू, कहिय कृपा करि करय समाजू, मा. अयो. 2-5

34) मा. अर्या - 2-5

35) बोगीविलंबुन करियनृप अजिय सबइ समाजू, मा.आ. 25

36) मा.आयो 1-72, बामदेव वसिष्ठ तब आए, सचिवमहाजन सफल बोलाए

37) तुलसी साहित्य मे रामराज्य की परिकल्पना, डॉ. शीलवती गुप्ता

38) रामराज्य - गोस्वामी तुलसीदास व्यक्तित्व दर्शन
साहित्य - रामदत्त भारद्वाज - पृ.440

39) मिलेहि माझ सिधि बात बिगारी, जहँ जहँ देहि कैकइहिगारी।।
मानस अयोध्याकाण्ड, पृ.46-1

40) मानस - अयोध्याकाण्ड - पृ.258
मानस - उत्तरकाण्ड - पृ.42-3

41) शीलवती गुप्ता - तु.सा. मे रामराज्य की परिकल्पना
पृ.73

42) वही

43) वही

44) तुलसी नवमूल्यांकन - डॉ. रामरतन भटनागर, पृ.102

45-46) तुलसी धर्मधृष्टि नवमूल्यांकन - भटनागर, पृ.102-103
47) मानस में राम राज्य - डॉ. मुन्शीराम शर्मा
48) वही, पृ.192-193
49) मानस मे रामराज्य - डॉ. मुन्शीराम शर्मा, पृ. 194
50) मानस उत्तरकाण्ड, पृ. 20 से 23 तक
51) मानस, सुन्दरकाण्ड, पृ.38-2, गोस्वामी तुलसी दासजी
52) मानस - बालकाण्ड दोहा नं.26 के पश्चात की चौपाई
53) महाभारत सभापर्व - संक्षिप्त महाभारत
54) तुलसीदास जीवनी और विचारधारा, डॉ. राजाराम रस्तोगी, पृ.224

साहित्य और संस्कृति

1) साहित्य चिन्तन - डॉ. रामकुमार वर्मा पृ.9
2) साहित्य और संस्कृति, पृ.3
3) साहित्य और संस्कृति, जैनेन्द्रकुमार, पृ.3
4) वही, पृ.4
5) तुलसी नव मूल्यांकन- डट. रामरतन भटनागर
6) (तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन, डॉ.रामरतन भटनागर), तुलसीदास परिवेश और प्रदेय, डॉ. मदनगोपाल गुप्त सम्पादन, पृ.50
7) तुलसीदास - परिवेश और प्रदेय, डॉ. मदनगोपालजी गुप्त
8) भारतीय संस्कृति के मूलतत्व - डॉ. खण्डेलवाल, पृ.57
9) भारतीय संस्कृति, खण्डेलवाल, पृ.2
10) डॉ. सम्पूर्णानन्द - भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.2
11) भारतीय संस्कृति, खण्डेलवाल, पृ.3
12) वही
13) प्राचीन भारतीय संस्कृति का इतिहास, डॉ. पहाड़िया, पृ.2

14) प्राचीन भारतीय संस्कृति इतिहास, पृ.29

15) वही, पृ.2

16) तुलसी नवमूल्यांकन - डॉ. रामरतन भटनागर, पृ.159

17) वही, 159

18) वही

19) वही, पृ.160

20) वही

21) तुलसीदास परिवेश और प्रदेय, मदनगोपाल गुप्त

22) तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन - डॉ. रामरतन भटनागर

मध्यकालीन भक्तिपरक साहित्य और राजनीति एवं संस्कृति

1) हिन्दी भक्तिकाल तथा उसके काव्य का मूल्यांकन, डॉ. अनुराधा दलाल

2) हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. राजेन्द्र शर्मा व डॉ. नगीन चन्द्र सहगल, पृ.55

3) वही

4) हिन्दी साहित्य का इतिहास, शर्मा और सहगल, पृ.57

5) वही

6) तुलसीदास, डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, पृ.6

7) वही

8) कबीरवाणी, मिश्र व कुलश्रेष्ठ, पृ.5

9) हिन्दी का भक्तिकाल तथा उसके काव्य का मूल्यांकन, डॉ.अनुराधा दलाल

10) वही

11) वही

12) आ. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, पृ.63, संस्करण 14

13) वही, पृ.64-65
14) वही, पृ.68
15) हिन्दी का भक्तिकाल तथा उसके काव्य का पुनःमूल्यांकन, पृ.31
16) डॉ. रामकुमार वर्मा, हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, तृतीय संस्करण, पृ.191-192
17) डॉ. हजारीप्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, संस्करण, पृ.10
18) वही, पृ.17 से 42 तक
19) वही, पृ.17
20) डॉ. अनुराधा दलाल, हिन्दी का भक्तिकाल व उसके काव्य का पुनः मूल्यांकन
21) वही
22) सूर साहित्य, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, पृ.9
23) वही
24) वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन, डॉ. मलिक मोहम्मद, पृ.75-76
25) हि.भ.का. तथा उ.का.मू.डॉ.अ. 6, पृ.33
26) सूर साहित्य, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, पृ.11
27) वही, पृ.7
28) पं. बलदेव उपाध्याय, भागवतधर्म, पृ.104
29) अनुराधा दलाल, हि.का.भ. तथा उसके का. मूल्यांकन, पृ.33
30) वही, हुमायु कबीर, व डॉ. ताराचन्द के उद्धरण
31) डॉ. ताराचन्द, अनुराधा दलाल
32) वही
33) संस्कृति के चार अध्याय, पृ.281-282, डॉ. रामधारीसिंह दिनकर
34) वही, भक्तिकालीन, अनुराधा दलाल
35) डॉ. रामकुमार शर्मा, हि.सा. का इतिहास, पृ.192

36) डॉ. रामचन्द्र शुक्ल, हि.सा. का इतिहास, पृ.63
37) हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, पृ.55-56
38) डॉ. अनुराधा दलाल, हि.भ. काल तथा उ.का.थु.मू., पृ.36
39) मध्यकालीन हिन्दी काव्य में भारतीय संस्कृति, डॉ.मदनगोपाल गुप्त, पृ.205 से 210
40) रामकाव्य और तुलसी, प्रेमशंकर, पृ.93
41) वही, पृ.86
42) हिन्दी का भक्तिकाल तथा उसके काव्य का मूल्यांकन, डॉ.अनुराधा दलाल, पृ.41
43) हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ.नगेन्द्र, पृ.106
44) वही
45) हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, पृ.106
46) वही
47) वही
48) वही, पृ.108
49)
50) डॉ. अनुराधा दलाल
51) डॉ. अनुराधा दलाल, हि.का.भ. और उ.का.मू., पृ.41
52) वही, पृ.42
53) वही
54) वही
55) वही, पृ.43
56) हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, पृ.97
57) तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन, डॉ. रामरतन भटनागर, पृ.54-55

रामाश्रयी साहित्य व राजनीति एवं संस्कृति

1) तुलसीदास और उसका युग, डॉ. राजपति दीक्षित, पृ.271

2) वेदों में रामकथा, पं. श्री लालबिहारीजी मिश्र, कल्याण-श्री रामभक्ति अंक, संख्यान वर्ष 68, सन 1994

3) कल्याण

4) वही

5) वही

6) रामकाव्य और तुलसी, सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रेमशंकर

7) रामकाव्य .व तुलसीदास, सांस्कृतिक सन्दर्भ, पृ.68

8) वही, पृ.69

9) वही, पृ.69

10) रामकाव्य मे तुलसी, पृ.78-79

11) तुलसीदास -चतुर्वेदी

12) वही

13) डॉ. अनुराधा दलाल, हि.का.भ.का., रामकाव्यधारा, पृ.158

14) कल्याण, पृ.98

15) कल्याण

16) तुलसी नवमूल्यांकन, डॉ. रामरतन भटनागर, पृ.101

17) वही

18) मानस, अयोध्या पृ.6/74, तुलसीदास, चतुर्वेदी

19) हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नागेन्द्र

20) तुलसीदास, चतुर्वेदी, पृ.48

21) वही

22) तुलसी नवमूल्यांकन, डॉ. रामरतन भटनागर, पृ.101

23) रा.प्र. अग्रवाल, रामायण और मानस का तुलनात्मक अध्ययन, पृ.51-52

24) वही, पृ.125
25) तुलसीदास और उनका युग
26) तुलसी साहित्य मे रामराज्य की परिकल्पना
27) डॉ. शीलवती गुप्ता, पृ.106
28) मानस, पृ.39(2), दोहा-123
29) वही
30) वही
31) वही
32) मानस बालकाण्ड-दो, पृ.155, यौ.3
33) डॉ. शीलवती गुप्ता, पृ.106
34) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा
35) तुलसी साहित्य मे रामराज्य की परिकल्पना, डॉ. शीलवती गुप्ता, पृ.109
36) वही, पृ.108,109
37) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द शोभा
38) मानस, उत्तरकाण्ड-20दो.
39) मानस, अ. 171(2)
40) मानस, अरण्यकांड, 20, 4,5,6
41) दोहावली, 416
42) मानस, अ. 304-3
43) मानस, उ.112-3
44) तुलसीदास, परिवेश और प्रदेय, डॉ. मदनगोपालजी गुप्त
45) भारतीय संस्कृति के तत्व, आचार्य उमेश शास्त्री, पृ.49
46) तुलसीदास परिवेश व प्रदेश, डॉ. मदनगोपाल गुप्त, पृ.49
47) तुलसी नवमूल्यांकन, डॉ. रामरतन भटनागर, पृ.157
48) तुलसी नवमूल्यांकन, डॉ. रामरतन भटनागर

49) तुलसीदास और उनका युग

50) तुलसी नवमूल्यांकन

तत्कालीन सांस्कृतिक एवं राजनैतिक स्थितियाँ एवं साहित्यिक चेतना

1) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - प्रथमखण्ड आदिकाल से आधुनिक काल तक 1184 से 1857 तक - गणपतिचन्द्र गुप्त लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद - पंचम संस्करण-1994

2) वही

3) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचन्द्र गुप्त पृ. 130

4) वही, पृ. 130

5) क्रान्तिकारी तुलसी-श्री नारायणसिंह, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, पृ. 180, संवत 2015

6) तुलसी साहित्य बदलते प्रतीमान, डॉ. चन्द्रभान रावत, चवाहर पुस्तकालय, मथुरा, पृ. 36

7) क्रान्तिकारी तुलसी दास पृ. 180

8) क्रान्तिकारी तुलसी - श्री नारायण सिंह पृ. 180

9) तुलसी साहित्य के बदलते प्रतिमान, डॉ. चन्द्रभान रावत, पृ. 36

10) क्रान्तिकारी तुलसी - श्री नारायणसिंह पृ. 181

11) हिस्ट्री आफ मेडीवल इण्डिया, पृ. 57

12) हिस्ट्री आफ मेडीवल इण्डिया, पृ. 466

13) तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान, डॉ. चन्द्रभान रावत, पृ. 31

14) क्रान्तिकारी तुलसी, डॉ. नारायणसिंह पृ. 181

15) डॉ. भगीरथ मिश्र, तुलसी रामायण भूमिका पृ. 63

16) तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान, डॉ. चन्द्रभान रावत, पृ. 34

17) वही

18) वही
19) वही
20) मानस, उ. 100 दो.
21) तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान पृ. 35
22) डॉ. भगीरथ मिश्र, तुलसी रामायण, भूमिका पृ. 63
23) तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान पृ. 35 (कवितावली3.97)
24) क्रान्तिकारी तुलसी, नारायण सिंह पृ. 192
25) क्रान्तिकारी तुलसी, नारायण सिंह, पृ. 192
26) भारतीय चिन्तन परम्परा के. दामोदरन पृ. 304
27) राम काव्य और तुलसी - सांस्कृतिक संदर्भ में प्रेमशंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नयी दिल्ली, पृ. 1977
28) थॉटस ऑन एग्रेरियन रिलेशन्स इन मुगल इन्डिया, नरुल हसन पृ. 39
29) राम काव्य औड़ तुलसी सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, पृ. 69
30) द एग्रेरियन सिस्टम आफ मुगल इण्डिया पृ. 321-322
31) राम काव्य व तुलसी, सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रेमशंकर
32) वही
33) भारतीय चिन्तन परम्परा, के. दामोदरन पृ. 304
34) राम काव्य और तुलसी सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रेम शंकर पृ. 70
35) अकबरनामा, इलियट खण्ड पृ. 23
36) राम काव्य और तुलसीदास सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रेम शंकर पृ. 70
37) वही
38) In Introduction to the study of literature by W. H. Hudson, Page 47

39) राम चरित मानस औड़ साकेत तुलनात्मक अध्ययन, परमलाल गुप्त

40) रामचरित मानस और साकेत तुलनात्मक अध्ययन, परमलाल गुप्त

41) मानस, उत्तर कांड

42) मानस उथ्तरकाण्ड दोहा-100

43) वही, दोहा-97

44) तुलसीदास परिवेश प्रेरणा प्रतिफलन हरि कृष्ण अवस्थी, आवि भाविकालीन वातावरण पृ. 5

45) आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव मुगल कालीन भाररत, पृ. 726

46) वही, पृ. 726

47) तुलसीदास परिवेश, प्रेरणा प्रतिफल, आविर्भावकालीन वातावरण, हरिकृष्ण अवस्थी

48) ईश्वरी प्रसाद, हुमायु और उसका युग, मूलत अंग्रेजी का अनुवाद, पृ. 504

49) तुलसीदास परिवेश प्रेरणा प्रतिकुल, आविर्भावकालीन वातावरण, हरिकृष्ण अवस्थी

50) वही, पृ. 11

51) वही

52) दोहावली

53) मानस उत्तरकांड दोहा-101

54) मानस उत्तरकांड दोहा-97

55) तुलसीदास और उनका युग, प्रो. बेनी प्रसाद

56) तुलसीदास और उनका युग, राजपति दिक्षीत, पृ. 6

57) तुलसीदास और उनका युग, पृ. 86

58) मुगल एडमीनीस्ट्रेशन, यदुनाथ सरकार, पृ. 5

59) वही, पृ. 6-7

60) लोकनायक तुलसीदास, राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी.

61) वही

62) वही

63) वही

64) वही

65) वही

66) वही

67) यदुनाथ सरकार - मुगल एडमीनीस्ट्रेशन

68) तुलसीदास और उनका युग, राजपति दीक्षीत, पृ. 82

69) हिस्ट्री ऑफ जहांगीर, यदुनाथ सरकार, पृ. 123

70) वही, पृ. 295

71) तुलसीदास और उनका युग, राजपति दीक्षीत, पृ. 83

72) वही

73) वही

74) वही

75) वही

76) तुलसीदास परिवेश और प्रदेय, डॉ. मदनगोपाल गुप्त, पृ. 54

77) वही, पृ. 55

78) तुलसीदास परिवेश और प्रदेय, डॉ. रामगोपाल गुप्त, पृ. 54-56

79) वही, 56

80) वही, पृ. 56

81) गोस्वामी तुलसीदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

82) रामकाव्य और तुलसी, संस्कृतिक संदर्भ, प्रेमशंकर, पृ. 78

83) तुलसीदास, दोहावली 101

84) वही, कवितावली, उत्तरकाण्ड, 81

85) मानस, उत्तरकांड, 104-105

86) वही

87) विनयपत्रिका में 139

88) मानस, उत्तरकाण्ड, दोहा 103, चो. 4

89) मानस अयोध्या काण्ड, 251, 1-3

90) तुलसी सांस्कृतिक सन्दर्भ, प्रेमशंकर पृ. 85

91) मानस उत्तरकांड, दोहा 98, चो. 1

92) मानस अयोध्याकाण्ड, दोहा 172

93) तुलसी सांस्कृतिक सन्दर्भ, प्रेमशंकर, पृ. 86

94) मानस, उत्तरकाण्ड, 98

95) वही, 99

96) वही, 97

97) वही, 99

98) मानस

99) तुलसी सम्बन्धी शोधों का अनुशीलन, विरेन्द्रपाल सिंह, पृ. 474

100) मानस उत्तरकाण्ड दोहा 20

101) मानस

102) हिन्दी साहित्य का आलोच्नात्मक इतिहास, शर्मा एवं सहगल, पृ. 75

103) वही, पृ. 76

104) वही, पृ. 77

105) तुलसीदास, राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, पृ. 10

106) हिन्दी साहित्य का इतिहास, शर्मा एवं सहगल, पृ. 9

107) वही, पृ. 8

108) हिन्दी साहित्य का इतिहास, शर्मा एवं सहगल, पृ. 9

109) वही, पृ. 8

रामचरित मानस का सांस्कृतिक परिवेश तथा स्थापित मूल्य

1) तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन, डॉ. रामरतन भटनागर, पृ. 56-57

2) वही, पृ.57

3) वही, पृ.53

4) वही, पृ.52

5) वही, पृ.52

6) तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन, डॉ.रामरतन भटनागर, पृ.56

7) वही

8) वही

9) वही, पृ.58-59

10) उ. मानस, पृ.97

11) मानस उ.

12) तुलसीदास, चतुर्वेदी, पृ.3

13) वही, पृ.3

14) मानस उत्तरकाण्ड 98

15) मा.उ. 97

16) मा.उ. 99

17) वही

18) मा. बा. 293

19) तुलसी सम्बन्धी शोधों का अनुशीलन, तुलसी के सांस्कृतिक पक्ष सम्बन्धी शोधों का अनुशीलन, डॉ.राजपति दीक्षित, तुलसीदास

और उनका युग, पृ.473-473
20) वही
21) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, पृ.147
22) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.30
23) भारतीय संस्कृति के तत्व, आचार्य उमेश शास्त्री
24) वही
25) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, पृ.147
26) मानस-बालकाण्ड, 188-1
27) मानस बालकाण्ड, 190-1,2
28) मानस बालकाण्ड, 191
29) मानस 92-2
30) वही, 192
31) मानस बा. 194
32) वही
33) मानस बालकाण्ड, 196 से 198 (i,ii,iii,iv,v)
34) वही, 198
35) भारतीय संस्कृति के तत्व, आचार्य उमेश शास्त्री
36) भारतीय संस्कृति, डॉ. राजकिशोरसिंह
37) मानस बालकाण्ड, 202-2
38) भारतीय संस्कृति के तत्व, आचार्य उमेश शास्त्री, पृ.90
39) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.36
40) मानस बालकाण्ड, 203
41) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.36
42) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.36-37
43) वही
44) मानस बालकाण्ड-दो, पृ.5

45) मानस बालकाण्ड-203
46) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.68
47) प्राचीन भारतीय संस्कृति का इतिहास, पृ.360
48) भारतीय संस्कृति का इतिहास, पृ.354, डॉ. पहाडिया
49) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल
50) वही -3
51) प्राचीन भारतीय संस्कृति का इतिहास
52) वही
53) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल
54) वही, पृ.68
55) चाणक्यनीति, पृ.41
56) चाणक्यनीति, पृ.41, आचार्य चानक्य
57) सुभाषित संग्रह
58) प्राचीन भारतीय संस्कृति का इतिहास -83
59) चा.नी. चाणक्य-41
60) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.69-70
61) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.68
62) मानस बालकाण्ड-203
63) वही-209
64) मानस बालकाण्ड
65) भारतीय संस्कृति की तत्व
66) वही
67) विधानिपधिकुहु विधायी नहीं
68) भारतीय संस्कृति के तत्व
69) भारतीय संस्कृति के तत्व, भारतीय संस्कृति का इतिहास, डॉ.पहाडिया-358

70) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, 152
71) भारतीय संस्कृति, डॉ. राजकिशोर सिंह-301
72) भारतीय संस्कृति, डॉ. खण्डेलवाल, पृ.37
73) भारतीय संस्कृति का इतिहास, पृ.80
74) भारतीय संस्कृति का इतिहास, पृ.81-82
75) भारतीय संस्कृति का इतिहास, पृ.37-38
76) भारतीय संस्कृति, पृ.35, डॉ. खण्डेलवाल
77) मानस बालकाण्ड, पृ.98
78) मानस बालकाण्ड, पृ.100 से 102, मा. बालकाण्ड-249
79) मानस बालकाण्ड, 249 से 260 तक
80) वही, पृ.261
81) वही, पृ.287
82) मा. बालकाण्ड, 289-291
83) मानस बालकाण्ड, 293-299
84) वही
85) मानस बालकाण्ड, 323-384
86) मानस अ. 155, 156-123
87) मानस अ. 169
88) मानस 197, 1,2,3,170
89) मानस अरण्यकाण्ड दो.32
90) मानस किष्किन्धाकाण्ड 10-4
91) मा. लंकाकाण्ड, दोहा, 104-4
92) रामकाव्य व तुलसी प्रेमशंकर, पृ.115
93) मानस अयोध्याकाण्ड, दो.231
94) मानस-किष्किन्धाकाण्ड, पृ.5 व 7

95) मानस अयोध्याकाण्ड, 53-1-55 तक

96) वाल्मीकि रामायण, 2/6/22-26

97) मानस अयोध्याकाण्ड दो.161

98) वही

99) मानस अ. 72 से 74

100) मा. बालकाण्ड 228 से 231

101) मानस बालकाण्ड, श्रीराम सीता सम्वाद, 60 से 64

102) मानस, किष्किन्धा काण्ड-10

103) मा. अ. 32

104) मा.अ. 233-3

105) वही, 95-34

106) तुलसीदास और उनका युग, राजपति दीक्षित, पृ.108

107) मानस अयो. 315

108) तुलसीदास और उनका युग-राजपति दीक्षित, 109

109) मा.अ.91

110) मानस उत्तरकाण्ड, 19

विद्रोह, नैतिक मूल्यों की स्थापना हेतु युद्ध, युद्ध के प्रकार..... दायित्व एवं अधिकार ।

1) तुलसीदास, आविर्भावकाल, डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी, पृ.3 से 5

2) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, पृ.67

3) मानस बालकाण्ड, दोहा-205(1)

4) वही, दोहा-205(2)

5) वही, पृ.182

6) वही, पृ.183

7) तुलसीदास, पृ.2

8) रामकुमार वर्मा, तुलसीदास और राजनीति
9) रामकाव्य और तुलसी प्रेमशंकर, पृ.112
10) तुलसीदास, राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी, पृ.2
11) वही
12) मानस बालकाण्ड, दो.154
13) वही, दो.154
14) वही, दो.154
15) मानस सुन्दरकाण्ड, 39-40
16) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, पृ.7
17) मानस अ. 258
18) वही
19) रामकाव्य और तुलसी, प्रेमशंकर, पृ.112
20) मानस अरण्यकाण्ड, 8 से 9
21) वही, 16
22) वही, 20
23) मानस लंकाकाण्ड, 39-40
24) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, पृ.80
25) मानस लंकाकाण्ड, 101
26) तुलसी साहित्य में राजनीति, शिलवती गुप्ता, पृ.90
27) मानस लंकाकाण्ड, 100
28) वही, 101
29) वही, 102
30) वही, 79
31) वही, 79(3-4)
32) मानस अ. 13
33) वही, 206

34) मानस अ. 16(1-2)

35) मानस किष्किन्धाकाण्ड, 5(5)

36) मानस सुन्दरकाण्ड, 36 से 41

37) मानस बालकाण्ड, 249

38) वही, 255

39) वही, 265

40) तुलसीदास, राजेश्वर चतुर्वेदी, पृ.13

41) मानस सुन्दरकाण्ड, 5 से 10

42) मानस अरण्यकाण्ड, 11 से 20

43) वही, 16 से 22 तक

44) मानस बालकाण्ड, 173

45) वही, 175

46) मानस अरण्यकाण्ड 22(3)

47) मानस बालकाण्ड, 136 से 137

48) तुलसी साहित्य के बदलते प्रतिमान, चन्द्रभान रावत, 148 से 152

49) वही, पृ.157

50) मानस लंकाकाण्ड, 90 से 94, मानस बालकाण्ड, 181 से 182 (दोनों)

51) मानस लंकाकाण्ड, 62 से 69

52) वाल्मीकि रामायण, अक्षयकुमार का पराक्रम व वध

53) वही

54) मानस बालकाण्ड, 176

55) प्रीति पुरातन लखइन कोई, बालकाण्ड, 229

56) वही, 325

57) मानस अरण्यकांड, 23 - मानस लंकाकाण्ड, 108-109

(दोनो ही स्थान पर यह प्रसंग है ।)

58) सावित्रीचन्द्र शोभा, समाज और संस्कृति, पृ.62

59) मानस बालकाण्ड, 39(2)
मानस अयोध्याकाण्ड, 261
गोस्वामी तुलसीदास, रामदत्त भारद्वाज

60) मानस बालकाण्ड, 180

61) रामराज्य, रामदत्त भारद्वाज, पृ.441

62) समाज और संस्कृति, सावित्रीचन्द्र शोभा, पृ. 66

63) रामराज्य, रामदत्त भारद्वाज, पृ.441

64) वही, पृ.447

65) मानस बालकाण्ड, दो.26

66) रामकाव्य और तुलसी प्रेमशंकर, 109

67) वाल्मीकि रामायण, अयोध्या वर्णन, मानस बालकाण्ड, 289, उत्तरकाण्ड 21 से 30

68) वाल्मीकि रामायण, अयोध्यावर्णन

69) मानस सुन्दरकाण्ड, दो.1, वाल्मीकि रामायण, लंकावर्णन

70) मानस सुन्दरकाण्ड, दो.37

71) वाल्मीकि रामायण, किष्किन्धाकाण्ड वर्णन, पृ.127

72) वाल्मीकि रामायण, 729, तीसवा सर्ग

73) मानस लंकाकाण्ड, 40 से 43

74) वही, 15

75) मानस अयोध्याकाण्ड, 171 से 172

76) मानस उत्तरकाण्ड, 98(1)

77) मानस उत्तरकाण्ड, 20

78) तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन, डा. रामरतन भटनागर

79) तुलसीदास जीवनी और विचारधारा, 205

80) भारतीय संस्कृति, खण्डेलवाल, पृ.3

81) तुलसीदास परिवेश और प्रदेय, डा. मदनगोपाल गुप्त, 54

82) राजनैतिक विचारधारा, डा. राजाराम रस्तोगी, 204

83) वही, 205

84) तुलसीदास, उत्तरकाण्ड, कलियुग वर्णन, दो.97

85) तुलसीदास, जीवनी और विचारधारा, राजाराम रस्तोगी, 206

86) मानस उत्तरकाण्ड, दो. 21

87) मानस बालकाण्ड, 205

88) वही, 208

89) वही, 208(1)

90) वही, 208(2)

91) वही, 209

92) वही, 209(2,3)

93) वही, 209

94) वही, 19(3)

95) वही, 28(4)

96) वही, 6,14

97) मानस किष्किन्धाकांड - 5,7

98) वही, 6(14)

99) वही, 8(4)

100) मानस लंकाकाण्ड 38

102) वही, 39(1)

103) वही, 40

104) वही, 74,76

105) मानस लंकाकाण्ड, 62 से 71, 79 से 80

106) वही, 101 से 103

107) गोस्वामी तुलसीदास व्यक्तित्व दर्शन साहित्य, 440

108) रामराज्य की परिकल्पना, शीलवती गुप्ता, पृ.18

109) वही

110) उत्तरकाण्ड, 97

111) अयोध्याकाण्ड, 201

अयोध्याकाण्ड, 203

मानस उत्तरकाण्ड, रामराज्य, 20 से 23 तक